

# निःश्वास

जब। २। १० - १९७५

२१ - १२ - ४३ ई०

व्रज-रज, बिटप, कझार, काव्य-जनक कवि-जन कहे ।  
धनितन उर उदगार, की संज्ञा का है सके ?

—श्यामनारायण मिश्र 'श्याम'

डेरापुर (झातपुर)

(५७०)